# सबर व इस्तीकामत (जमाव)

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

**‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’**

## बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1} बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबू सईद खुदरी रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया जो शख्स सबर करने की कोशिश करेगा अल्लाह उसको सबर देगा और सबर से ज्यादा बेहतर और बहुत सारी भलाईयों को समेटने वाली बखशिश और कोई नहीं है.

2} बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत उसामा रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ की बेटी ने कहला भेजा की मेरा लडका जांकनी की हालत मै है तशरीफ लाये, तो आप ﷺ ने सलाम कहला भेजा और ये की जो कुछ अल्लाह लेता है उसीका है और जो कुछ देता है वो उसीका है और हर चीज उसके यहां तैय होती है, और हर एक की मुद्दत मुकर्रर होती है तो तुम आखिरत मै अजर पाने की नियत से सबर करो.

फिर उन्हों ने कहला भेजा की जरूरी तशरीफ लाये, तब आप ﷺ और आपके साथ सअद बिन उबादा (रदी) मुआज बिन जबल (रदी) उबय्यि इबने कअब (रदी) जैद बिन साबित (रदी) और कुछ दूसरे लोग गये. बच्चे को आप ﷺ के पास लाया गया आप ﷺ ने उसे गोद मै बिठाया, उस वकत उसका दम निकल रहा था उस मंजर (दृश्य) को देख कर आप ﷺ की आंखों से आंसू गिरने लगे, तो सअद बिन उबादा ने कहा, ये क्या है? (यानी आप रोते है क्या ये सबर के खिलाफ बात नहीं है) तो आप ने फरमाया (नहीं ये सबर के खिलाफ बात नहीं है) ये रहम का जज्बा है जिसे अल्लाह तआला ने अपने बन्दों के दिलों मै रख दिया है.

3} तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया मोमिन मर्दो और औरतों पर कभी-कभी आजमाइशें आती रहती है कभी खुद उसपर मुसीबत आती है कभी उसकी औलाद पर आती है, कभी उसका माल तबाह हो जाता है (और वो उन तमाम मुसीबातों मै सबर से काम लेता है और इस तरह उसके दिल की सफाई

होती रहती है और बुराईयों से दूर होता रहता है) यहां तक की जब अल्लाह से मिलता है तो इस हाल मै मिलता है की उसके नामा ए आमाल मै कोई गुनाह नहीं होता.

4} तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अनस रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की आजमाईश जितनी सख्त होगी उतना ही बडा इनाम मिलेगा (इस शर्त पर की आदमी मुसीबत से घबरा कर राहे हक से भाग न खडा हो) और अल्लाह तआला जब किसी गिरोह से मुहब्बत करता है तो उनको (और ज्यादा निखारने और साफ करने के लिये) आजमाईशों मै डालता है तो जो लोग अल्लाह के फैसले पर राजी रहें और सबर करें तो अल्लाह उनसे खुश होता है, और जो लोग इस आजमाईश मै अल्लाह से नाराज हो, तो अल्लाह भी उनसे नाराज हो जाता है.

5} बुखारी वा मुस्लिम

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की जिस किसी मुसलमान को कोई दिली तकलीफ, कोई जिस्मानी बीमारी,

कोई दुख और गम पहुंचता है और वो उसपर सबर करता है तो उसके नतीजा मै अल्लाह तआला उसकी गलतियों को माफ करता है यहां तक की अगर उसे एक कांटा चुभ जाता है तो वो भी उसकी गुनाहों की माफी का सबब बनता है.

6} मुस्लिम, रावी हज़रत सुफियान बिन अब्दुल्लाह रदी.
खुलासा- मैने रसूलुल्लाह ﷺ से पूछा इस्लाम के बारे मै ऐसी जामे बात मुझे बता दीजिये की फिर किसी और से मुझे कुछ पूछने की जरूरत न पडे, आप ﷺ ने फरमाया की आमनतु बिल्लाहि कहो और फिर उसपर जम जाओ.

7} अबू दाउद; रावी हज़रत मिकदाद रदी.
खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ को फरमाते हुवे सुना की खुशनसीब है वो शख्स जो फितनों से सुरक्षित रहा, फितनों से मुराद वो आजमाईशें है जिनसे हर मोमिन का इस जमाने मै वास्ता पडता है जब बातिल, हाकिम और गालिब हो, और हक मगलूब और महकूम हो तो दीने हक अपनाने वालों को और उसपर चलने वालों को कैसी-कैसी जहमतें पेश आती है

उसको बयान करने की जरूरत नहीं है, ऐसे जमाने मै बातिल और अहले बातिल की पैदा की हुई रूकावटों और डाली हुई मुसीबतों के बावजूद एक शख्स हक पर जमा रहता है तो आप ﷺ की तरफ से वो शाबाशी और दुआ का हकदार है.

8} तिबरानी; रावी हज़रत मुआज बिन जबल रदी.
खुलासा- जब दीन का सियासी निजाम बिगड जायेगा तो मुसलमानों पर ऐसे हुकुमरान होंगे जो गलत रूख पर सोसाईटी को ले जायेंगे. अगर उनकी बात मानी जाये तो लोग गुमराह हो जायेंगे और अगर उनकी बात कोई न माने तो वो उसे कत्ल कर देंगे तो उसपर लोगों ने पूछा ऐसे हालात मै हमे आप क्या हिदायत देते है? तो आप ﷺ ने फरमाया तुम्हें वही कुछ इस जमाना मै करना होगा जो ईसा बिन मरयम (अलै) के साथियों ने किया, वो आरों से चीरे गये और सूलियों पर लटकाये गये लेकिन उन्हों ने बातिल के आगे हथियार नहीं डाला अल्लाह की इबादत मै मरना उस जिन्दगी से बेहतर है जो अल्लाह की नाफरमानी मै बसर हो.

9} तिर्मेज़ी व मिश्कात, रावी हज़रत अनस रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की एक ऐसा वकत आ-जायेगा जिस मै दीन वालों के लिये दीन पर जमे रहना अंगारे को हाथ मै लेने की तरह होगा. मतलब ये की हालात बहुत ही बिगड जायेंगे, बातिल का गल्बा होगा हक मगलूब होगा, अकसर लोग दुनिया को पूजने लगेंगे ऐसी हालत मै दीन पर जमने वालों को खुशखबरी दी गई है. अंगारों से खेलना बहादुरो का काम हो सकता है बुजदिल लोग इस तरह का खेल नहीं खेला करते.